IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निहित भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

डॉ. निकिता शर्मा

सहायक आचार्य, केशव महाविद्यालय, अटरू, बारां, राजस्थान

सारांश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 भारतीय शिक्षा प्रणाली में मूलभूत सुधार लाने का एक महत्वपूर्ण दस्तावेज़ है। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge System - IKS) को विशेष महत्व दिया गया है। यह समीक्षा पत्र इस नीति में निहित भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता, उसकी आधुनिक समय में उपयोगिता और शिक्षा प्रणाली में इसके एकीकरण के प्रभावों पर चर्चा करता है।

परिचय

भारतीय ज्ञान परंपरा प्राचीन काल से ही समृद्ध रही है, जिसमें दर्शन, गणित, चिकित्सा, योग, वास्तुशास्त्र, संगीत, और भाषा विज्ञान जैसे विषयों का व्यापक अध्ययन शामिल है। NEP 2020 इस पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में पुनः स्थापित करने का प्रयास करती है। यह नीति इस बात को स्वीकार करती है कि भारत का पारंपरिक ज्ञान, चाहे वह वेदों, उपनिषदों या अन्य शास्त्रों में संग्रहीत हो, आज के विज्ञान और तकनीक के विकास में भी योगदान कर सकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा का महत्व

भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है:-

1. वैज्ञानिक और तकनीकी योगदान: प्राचीन भारतीय गणितज्ञ आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और भास्कराचार्य ने गणित और खगोल विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी तरह, आयुर्वेद चिकित्सा विज्ञान का एक प्रमुख स्रोत है।
2. सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा: भारतीय ग्रंथों में नैतिकता, आचार-विचार, और जीवन मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है, जो आज के शिक्षा प्रणाली में नैतिक शिक्षा को सुदृढ़ कर सकते हैं।
3. बहु-विषयक दृष्टिकोण: भारतीय ज्ञान प्रणाली एक समग्र (Holistic) दृष्टिकोण को अपनाती है, जो आधुनिक शिक्षा के बहु-विषयक (Multidisciplinary) दृष्टिकोण से मेल खाती है।
4. पर्यावरण और सतत विकास: प्राचीन भारतीय साहित्य में पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के महत्व को प्रमुखता दी गई है, जो सतत विकास के वर्तमान लक्ष्यों के अनुरूप है।
5. मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य: योग और ध्यान (Meditation) को NEP 2020 में विशेष महत्व दिया गया है, जिससे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा

NEP 2020 भारतीय ज्ञान परंपरा को निम्नलिखित तरीकों से मुख्यधारा की शिक्षा में शामिल करने की योजना बनाती है:

1. **भारतीय ज्ञान प्रणाली के अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम का समावेश:-** विद्यालय और उच्च शिक्षा में भारतीय दर्शन, साहित्य, और विज्ञान को जोड़ने का प्रावधान। संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन को बढ़ावा।
2. **योग और ध्यान का समावेश:-** विद्यालय स्तर पर योग और ध्यान को अनिवार्य बनाना।
3. **शोध एवं नवाचार में भारतीय परंपरा को बढ़ावा:-** भारतीय गणित, वास्तुकला और पर्यावरण विज्ञान से जुड़े शोध को प्रोत्साहित करना।
4. **भारतीय भाषाओं का संरक्षण:-** मातृभाषा में शिक्षा देने पर जोर।

5. **कला और शिल्प को प्रोत्साहन:-** पारंपरिक भारतीय कला, संगीत और शिल्प को शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाना।

चुनौतियाँ और समाधान

हालांकि NEP 2020 भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने का एक महत्वाकांक्षी प्रयास है, फिर भी इसके कार्यान्वयन में कई चुनौतियाँ हैं।

1. प्राचीन और आधुनिक शिक्षा के बीच संतुलन: भारतीय ज्ञान प्रणाली को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ समन्वित करना एक चुनौती हो सकती है।
2. संस्थागत समर्थन और संसाधन: इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए शिक्षकों और शोधकर्ताओं को पर्याप्त प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराने की आवश्यकता है।
3. समाज की मानसिकता: कुछ लोगों को यह लग सकता है कि पारंपरिक ज्ञान अप्रासंगिक हो गया है, जिसे बदलने के लिए जागरूकता अभियान की आवश्यकता होगी।
4. शोध और नवाचार में एकीकरण: भारतीय ज्ञान प्रणाली को अनुसंधान और नवाचार के केंद्र में लाने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा को शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम है जो भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत को पुनः स्थापित करने में सहायक हो सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो यह शिक्षा प्रणाली को अधिक समग्र, नैतिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण प्रदान करेगा। भारतीय ज्ञान प्रणाली के पुनरुद्धार से न केवल हमारी संस्कृति को संरक्षित करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर शिक्षा और अनुसंधान में भी योगदान देगा।

सुझाव

- शिक्षकों और छात्रों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाएँ।
- पाठ्यक्रम को व्यावहारिक और अनुसंधान-आधारित बनाया जाए।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक सहयोग को प्रोत्साहित किया जाए।
- सरकार और निजी संस्थानों को मिलकर इस क्षेत्र में निवेश करने की आवश्यकता है।

इस प्रकार, भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में शामिल करना न केवल भारत के शैक्षिक पुनर्जागरण का प्रतीक होगा, बल्कि यह समग्र और सतत शिक्षा की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

संदर्भ

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय।
2. मिश्रा, आर. (2021). भारतीय ज्ञान प्रणाली और आधुनिक शिक्षा। नई दिल्ली: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
3. शर्मा, पी. (2020). भारतीय शिक्षा प्रणाली का पुनर्निर्माण। वर्धा: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय।
4. वेंकटेशन, आर. (2019). योग और ध्यान का वैज्ञानिक आधार। मुंबई: भारतीय विज्ञान संस्थान।
5. उपाध्याय, के. (2022). भारतीय भाषाओं की प्रासंगिकता और शिक्षा नीति। कोलकाता: नेशनल बुक ट्रस्ट।